Regarding the problems faced by sugarcane farmers

श्री उत्कर्ष वर्मा मधुर **(**खीरी**) :** सभापति महोदय, मैं आपका ध्यान अति महत्वपूर्ण विषय उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों की खराब हालत और परेशानियों की ओर आकर्षित कराना चाहता हूं ।

महोदय, विगत कई वर्षों से गन्ने की खेती की लागत बढ़ती जा रही है । खाद, यूरिया, डीएपी और एनपीके के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं । कीटनाशकों के दाम भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं । एक ओर सिंचाई जहां महंगी हो रही है, वहीं मजदूर की मजदूरी भी बढ़ रही है । गन्ने के बीज की प्रजातियां, जो किसानों को ज्यादा उपज दे सकें, अभी उपलब्ध नहीं हो रही हैं, जिससे गन्ने की उपज कम हो रही है और बढ़ती लागत के हिसाब से गन्ने का मूल्य नहीं बढ़ रहा है । चीनी मिलें गन्ना किसानों का समय पर भुगतान भी नहीं कर रही हैं । गन्ना किसान सभी ओर से मजबूर होकर भी गन्ने की खेती कर रहा है । अत: मैं आपके माध्यम से भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि गन्ने का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर कम से कम 600 रुपये प्रति क्विंटल किया जाए । किसानों को ज्यादा उपज दिलाने वाले बीज की प्रजातियां उपलब्ध कराएं और किसानों को कम दाम में खाद और कीटनाशक दवाइयां उपलब्ध करवायी जाएं। सरकार न केवल उत तर प्रदेश के किसानों को बल्कि देश के किसानों को कष्ट से उबारने का कार्य करे ।